सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-156
02/04/2016

शांति, प्रेम एवं सद्भाव का संदेश देते हैं सभी धर्म :– मुख्यमंत्री

पटना, 02 अपैल 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज राजगीर स्थित अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुये कहा कि दुनिया के सभी धर्म शांति, प्रेम, अहिंसा एवं विश्व बंधुत्व का संदेश देते हैं, परस्पर सद्भाव तथा विविधता में एकता ही सभी धर्मों का सार है। उन्होंने कहा कि हमें सभी धर्मों एवं विचारधाराओं का सम्मान करना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वधर्म समभाव तो भारतीय संस्कृति के रग–रग में रचा–बसा है। सम्राट अशोक द्वारा शिलाओं पर खुदवाये गये धम्मलेख भगवान महावीर, बुद्ध, गुरूनानक के उपदेश, सबमें इसे प्रमुखता मिली है। उन्होंने कहा कि राजगीर की धरती ऐतिहासिक एवं धार्मिक दोनों दृष्टिकोण से अद्भूत है। जहॉ एक तरफ यह भारतवर्ष के प्राचीन मगध साम्राज्य की राजधानी रही है, वहीं सर्वधर्म समभाव का एक अनूठा उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। राजगीर की धरती भगवान बुद्ध, महावीर, गुरूनानक, मखदूम साहब से संबंधित रही है। हिन्दू धर्म का तो यह अत्यंत पवित्र स्थल है। तीन वर्ष पर लगने वाले मलमास मेला तथा सरस्वती एवं वैतरणी की महता जगत प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि एक तरफ यह धरती जरासंघ से संबंधित रही है तो दूसरी तरफ पांडु महाराज का भी इस धरती से संबंध रहा है। सहिष्णुता एवं समन्वय का इससे बड़ा उदाहरण शायद ही उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर की पंचपहाड़ी, कुंड, झरना एवं यहॉ का प्राकृतिक वातावरण सब अद्भूत है। विशेषज्ञों के अनुसार यहॉ की पहाड़ियों की आयु दो से दस करोड़ वर्ष की है। उन्होंने कहा कि यहॉ के कुण्ड, झरनों के जल एवं प्राकृतिक वातावरण में कई प्रकार के बीमारियों को ठीक करने के गुण हैं। उन्होंने कहा कि राजगीर आकर उन्हें असीम शांति का अनुभव होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर के सम्पूर्ण क्षेत्र के विकास के लिये सरकार कृतसंकल्पित है। नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरूद्धार का कार्य भी चल रहा है। इससे विश्व में ज्ञान की रौशनी फैलेगी। सप्तधारा में जल प्रवाह में कमी होने पर उन्होंने कहा कि इसकी जॉच के लिये वरीय पदाधिकारी एवं विशेषज्ञों की टीम लगा दी गयी है। चाहे जैसे हो कुण्ड एवं झरनों का संरक्षण हर हाल में किया ही जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य भर में जल संरक्षण एवं जल संचरण के लिये उपाय किये जा रहे हैं। भूगर्भ जल का संरक्षण करने के लिये क्या–क्या आवश्यक कदम उठाये जाने चाहिये, इस पर अध्ययन चल रहा है। जल्द ही कुछ और ठोस कदम उठाये जायेंगे।

पुरोहित महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के अनुरोध पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड में तीर्थ पुरोहित महासभा के प्रतिनिधि को भी शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मंदिरों की सुरक्षा के लिये घेराबंदी भी की जायेगी। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को इसकी जिम्मेवारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि अपने रेल मंत्री के कार्यकाल में तीर्थों को रेलमार्ग से जोड़ने के लिये कई कदम उठाये थे। नदियों की स्वच्छता एवं इस पर किये जा रहे कार्यों की चर्चा करते हुये उन्होंने कहा कि नदियों का अबाध प्रवाह होना जरूरी

है। बड़े– बड़े बॉध नदियों के अस्तित्व के लिये संकट पैदा करते हैं। अविरलता बगैर निर्मलता नहीं आ सकती।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा एक अप्रैल से शुरू किये गये मद्य निषेध कार्यक्रम का उल्लेख करते हुये कहा कि बिहार की जनता की भावना का सम्मान करते हुये यह कार्यक्रम लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं एवं बच्चों तथा समाज के सभी वर्गों में खुशहाली एवं उत्साह का माहौल है। लोगों ने मद्य निषेध कार्यक्रम को एक जन आन्दोलन का रूप दे दिया है। चन्द्रगुप्त एवं चाणक्य के व्यू रचना का उल्लेख करते हुये उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से शहरी इलाकों में भी पूर्ण शराबबंदी लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि चार अप्रैल को पुलिस विभाग के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी तथा पॉच अप्रैल को अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी शराब का सेवन नहीं करने की शपथ लेंगे। राज्य सरकार शराबियों से इस आदत को छुड़वाने में उनकी सहायता के लिये नशा विमुक्ति केन्द्र की प्रत्येक जिलों में स्थापना की है। अवैध शराब उत्पादन एवं बिक्री पर मृत्यु दण्ड का प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के सभी तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों के विकास के लिये गंभीर है। उन्होंने तीर्थों के विकास में पुरोहित समाज के योगदान की प्रशंसा की।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुये सांसद श्री आर0सी0पी0 सिंह ने कहा कि भारत के सभी प्रमुख स्थलों के प्रतिनिधियों का राजगीर में आगमन होने से इस स्थल की प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने तीर्थों के पुरोहितों द्वारा अपने यजमानों के पीढ़ीयों के पंजी का संधारण प्रक्रिया को अद्भूत बताया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेश पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। उन्होंने प्राचीन, ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के तीर्थों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर विधायक श्री रवि ज्योति, पूर्व मंत्री श्री सुरेन्द्र प्रसाद तरूण, अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के श्री धीरेन्द्र उपाध्याय, श्री प्रकाश मिश्र, श्री श्रीकांत वशिष्ठ, श्री ब्रह्मदेव उपाध्याय, श्री दुलर्भ मिश्र, श्री नवीन नागर सहित भारतवर्ष के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के पुरोहितों के प्रतिनिधिगण के अलावे जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एस0एम0, पुलिस अधीक्षक श्री कुमार आशीष एवं अन्य वरीय पदाधिकारी तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******